

उदात्तानुदात्त संधि

हरिकथाम्-इतसार गुरुगळ
करुणादिंदापनितु पेळुवे
परम भगवद्भक्तरीदनादरदि केळुवुदु

हरियु पंचाशद्वरण सु
स्वर उदात्तनुदात्त प्रचय
स्वरित संधि विसग बिंदुगळोळगे तद्वाच्य
इरुव तत्तन्नामरूपग
ळरितुपासनगैवरिळेयोळु
सुरे सरि नररल्ल अवरडुविदे वेदाथ ९-१

ईशनलि विज~नान भगव
दासरलि सद्भक्ति विषय
निराशे मिथ्यावादियलि प्रद्वेष नित्यदलि
ई समस्त प्राणिगळलि र
मेशनिहनेंदरिदु अवरभि
लाषेगळ पुरयैसुवुदे महयज~न हरिपूजे ९-२

त्रिदश ऐकात्मकनेनिसि भू

उदक शिखियोळु हत्तु करणदि
अधिपरेनिसुव प्राणमुख्यादित्यरोळु नेलेसि
विदितनागिद्वनवरत निर
वधिकमहिमनु सकल विषयव
निधननामक संकरुषणाहवयनु स्वीकरिप ९-३

दहिक दैशिक कालिकत्रय
गहन कमगळुंटु इदरोळु
विहितकमगळरितु निष्कामकनु नीनागि
बइहतिनामक भारतीशन
महितरूपव नेनेदु मनदलि
अहरहभगवंतगपिसु परमभकुतियलि ९-४

मूरु विध कमगळोळगे कं
सारि भागव हयवदन सं
प्रेरकनु तानागि नवरूपंगळनु धरिसि
सूरिमानवदानवरोळु वि
कार शून्यनु माडि माडिसि
सारभोक्तनु स्वीकरिसि कोडुतिप्प जीवरिगे ९-५

अनळ पक्कवगैसिदन्नव

अनळनोळु हौमिसुव तेरेदं
तनिमिषेशनु माडि माडिसिदखिळ कमगळ
मनवचन कायदलि तिळिदनु
दिनदि कोडु शंकिसदे वइजिना
दन सदा कैकोंडु संतयिसुवनु तन्नवर ९-६

कुदुरे बालद कोनेय कूदल
तुदिविभागव माडि शतविध
वदरोळोंदनु नूरु भागव माडलेंतिहुदो
विधिभवादि समस्थ दिविजर
मोदलुमाडि तइणांतजीवरो
ळधिक न्यूनतेयिल्लवेंदिगु जीवपरमाणु ९-७

जीवनंगुष्टग्र मूरुति
जीवनंगुट मात्र मूरुति
जीवनप्रादेश जीवाकार मुतिगळु
ऐवमादि अनंतरूपदि
यावदवयवगळोळु व्यापिसि
काव करुणाळुगळ देवनु ई जगत्रयव ९-८

बिंब जीवांगुष्ट मात्रदि

इंबुगौंडिह सवरोळु सू
मंबरदि हइत्कमलमध्यनिवासियेंदेनिसि
एंबरीतगे कोविदरु वि
श्वंभरात्मक प्राजन् भक्तकु
टुंबि संतैसुव ईपरि बल्लभजकरनु ९-९

पुरुषनामक सवजीवरो
ळिरुव देहाकाररूपदि
करणनियामक हइषीकपनिंद्रियंगळलि
तुरियनामक विश्वता ह
न्नेरडु बेरळुळिदुत्तमांगदि
एरडधिक एप्पत्तुसाविर नाडियोळगिप्प ९-१०

व्यापकनु तानागि जीव स्व
रूपदेहद ओळहोरगे नि
लेपनागिह जीवकइतकमगळनाचरिसि
श्री पयोजभवेररिंद प्र
दीपवण सुमूति मध्यग
ता पोळेव विश्वादिरूपदि सेवेकैगोळुत ९-११

गरुड शेष भवादि नामव

धरिसि पवन स्वरूप देहदि
करणनियामकनु तानागिप्प हरियंते
सरसिजासन वाणि भारति
भरतनिंदोडगूडि लिंगदि
इरुतिहरु मिक्कादितेयरिगिल्लवास्थान ९-१२

जीवनके तुषदंते लिंगवु
सावकाशदि पौंदि सुत्तलु
प्रावरणरूपदलि इप्पुदु भगवदिच्छेयलि
केवल जडप्रकइति इदकधि
देवतेयु महलकुमि येनिपळु
आ विरजेय स्नानपरियंतरदि हत्तिहुदु ९-१३

आरधिकदशकलेगळुळ श
रीरवनिरुद्धगळ मध्यदि
सेरि इप्पवु जीव परमाच्छाधिकद्वयवु
बारदंददि दानवरनति
दूरगैसुव श्रीजनादन
मूरु गुणदोळगिप्पनेंदिगु त्रिवइतुवेंदेनिसि ९-१४

रुद्रमोदलादमररिगे अनि

रुद्ध देहवे मनेयेनिसुवुदु
इद्धु केलसव माडरल्लिंदित्त स्थूलदलि
क्रुद्धखळ दिविजरु परस्पर
स्फधियिंदलि द्वंद्वकम स
मइद्धिगळनाचरिसुवरु प्राणेशनाजनेयलि ९-१५

महियोळगे सुऐत्रतीथदि
तुहिन वरुष वसंतकालदि
दैहिक दैशिक कालिकत्रय धमकमगळ
द्रुहिण मोदलादमररेल्लरु
वहिसि गुणगळननुसरिसि स
न्निहितरागिद्धेल्लरोळु माडुवरु व्यापर ९-१६

केश सासिरविध विभगभागव
गैसलेनितनितिह सुषुम्नवु
आ शिरांतदि व्यापिसिहुदी देहमध्यदलि
आ सुषुम्नके वज्रकाय प्र
काशिनी वैद्युतिगळिहवु प्र
देशदलि पश्चिमके उत्तर पूव दइणके ९-१७

आ नळिनभव नाडियोळगे त्रि

कोणचक्रवु इप्पुदल्लि कइ
शानु मंडल मध्यगनु संकरुषणाहवयनु
हीन पापात्मक पुरुषन द
हनगैसुत दिनदिनदि वि
जानानमय श्रीवासुदेवनु ऐदिसुव करुणि ९-१८

मध्यनाडिय मध्यदलि हइ
त्पद्ममूलदि मूलपति पद
पद्म मूललदलिप्प पवनन पादमूलदलि
पेदिकोडिह जीव लिंगनि
रुद्ध देह विशिष्टनागि क
पदि मोदलादमररेल्लरु कादुकोडिहरु ९-१९

नाळमध्यदलिप्प हइत्की
लालजदोळिप्पष्टदळदि कु
लाल चक्रद तेरदि चरिसुव हंसनामकनु
कालकालगळल्लि एण्देसे
पालकर कैसेवेगोळुत कइ
पाळु अवरभिलाषेगळ पूरैसिकोडुतिप्प ९-२०

वासवानुज रेणुकात्मज

दाशरथि वइजिनादनमल ज
लाशयालय हयवदन श्रीकपिल नरसिंह
ई सुरूपदि अवरवर सं
तोष पडिसुत नित्यसुखमय
वासवागिह हइत्कमलदोळु बिंबनेदेनिसि ९-२१

सुरपनालयकैदिदोडे मन
वेरगुवुदु सत्पुण्यमागदि
बरलु वन्हिय मनेगे निद्रालस्यहसितइषेयु
तरणितनय निकेतनदि सं
भरित कोपाटोप तोरुव
दरविदोरनु निरइतियलि बरे पापगळ माळप ९-२२

वरुणनल्लि विनोद हास्यवु
मरुतनोळु गमनागमन हिम
कर धनाधिपरल्लि धमद बुद्धि जनिसुवुदु
हरन मंदिरदल्लि गो धन
धरणि कन्यादानगळु ओं
दरेघळिगे तडेयदले कोडुतिह चित्त पुट्टुवदु ९-२३

हइदयदोळगे विरक्ति केसर

कोदगे स्वप्न सुषुप्ति लिंगदि
मधुह कणिकेयल्लि बरे जाग्रतियु पुट्टुवुदु
सुदरुशन मोदलाद अष्टा
युधव पिडिदु दिशाधिपतिगळ
सदनदलि संचरिसुती परि बुद्धिगळ कोडुव ९-२४

सूत्रनामक प्राणपति गा
यत्रि संप्रतिपाद्यनागी
गात्रदोळु नेलेसिरलु तिळियदे कंदकंडल्लि
धात्रियोळु संचरिसि पुत्र क
ळत्र सहितनुदिनदि तीथ
ऐत्रयात्रेय माडिदेवु एंदेनुत हिग्गुवरु ९-२५

नारसिंहस्वरूपदोळगे श
रीरनामदि करिसिवनु हदि
नारु कळेगळुळळ लिंगदि पुरुषनामकनु
तोरुवनु अनिरुद्धदोळु शां
तीरमणनिरुद्ध रूपदि
प्रेरिसुव प्रद्युम्न स्थूलकळेवरदोळिदु ९-२६

मोदलु त्वक्चमगळु मांसवु

रुधिरमेदोमज्जवस्थिग
ळिदरोळगे ऐकोनपंचाशन्मरुद्गणवु
निधन हिंकारादि सामग
अदर नामदि करेसुतोभ
त्तधिक नाल्वत्तेनिप रूपदि धातुगळोळिप्प ९-२७

सप्त धातुगळोळ होरगे सं
तप्त लोहगनाग्नियंददि
सप्त सामगनिप्प अन्नमयादि कोशदोळु
लिप्तनागदे तत्तदाव्हय
क्लुप्तभोगव कोडुत स्वप्न सु
षुप्ति जाग्रतेयीव तैजस प्राज्ञ विश्वाख्या ९-२८

तीविकोडिहवल्लि मज्ज क
ळेवरदि अंगुलिय पवद
ठाविनलि मून्नूरु अरवत्तेनिप त्रिस्थळदि
साविरद एंभत्तु रूपव
कोविदरु पेळुवरु देहदि
देवतेगळोडगूडि क्रीडिसुवनु रमारमण ९-२९

कीटपेशस्करि नेनविलि

कीटभावव तोरेदु तद्वत
खेटरूपवनैदि आडुव तेरदि भकुतियलि
कैटभारिय ध्यानदिंद भ
वाटवियनति शीघ्रदिंदलि
दाटि सारूप्यवनु ऐदुवरल्प जीविगळु ९-३०

ई परिय देहदोळु भगव
द्रूपगळ मरेयदले मनदि प
देपदे भकुतियलि स्मरिसुतलिप्प भकुतरनु
गोपति जगन्नाथविठल स
मीपगनु तानागि संतत
सापरोइय माडि पोरेवनु एल्ल कालदलि ९-३१